Series BRH

कोड नं. **4/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

निर्देश :
*(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।*
*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*
(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

फूल बोने का तात्पर्य सुख पहुँचाना तथा काँटे बोने का अर्थ दुख पहुँचाना है । मानव-जीवन की सार्थकता अपने आपको सुखी बनाने में ही नहीं है, बल्कि औरों को सुख पहुँचाने में है । तुलसीदास ने कहा है कि दूसरों की भलाई से बढ़कर धर्म नहीं तथा दूसरों के अपकार से बढ़कर नीचता नहीं । वह व्यक्ति परम धार्मिक है जो परोपकारी है । दूसरों को सुख पहुँचाने के लिए ईश्वर को भी धरती पर अवतरित होना पड़ता है । जिन्होंने मनुष्य-जाति की भलाई के लिए अपना सुख तथा अपने प्राण बलिदान कर दिए, वे लोग मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय एवं वंदनीय बन गए । इसीलिए मनीषियों तथा संतों ने सदा परोपकार की दीक्षा दी । कबीर ने तो यहाँ तक कहा है कि जो तेरे लिए काँटे बोता है उसके लिए भी तू फूल बो । ऐसी स्थिति में हमें चाहिए कि हम प्राणियों के कष्ट-निवारण में तथा उन्हें सुखी बनाने में यथाशक्ति योगदान करें । यह भी ध्यान रखना है कि दूसरों के शोषण के लिए अथवा स्वार्थपूर्ति के लिए किया गया प्रत्येक अनैतिक कार्य वर्जित है ।

(i) मानव-जीवन की सार्थकता है

(क) अपने आपको सुखी बनाने में ।

(ख) भरपूर धन कमाने में ।

(ग) औरों को सहयोग देने में ।

(घ) औरों को सुख पहुँचाने में ।

(ii) मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय होते हैं

(क) ईश्वर की अर्चना में लगे रहने वाले ।

(ख) देश की सीमा पर दुश्मनों से जूझने वाले ।

(ग) अपना सुख और प्राण बलिदान करने वाले ।

(घ) अपना धन लुटाने वाले ।

(iii) सबसे बड़ी नीचता क्या है ?

(क) दूसरों की निंदा करना

(ख) दूसरों का अपकार करना

(ग) दूसरों के लिए काँटे बोना

(घ) दूसरों को दुख पहुँचाना

(iv) काँटे बोने वाले के लिए फूल क्यों बोना चाहिए ?

(क) उससे बदला लेने के लिए

(ख) परोपकार के लिए

(ग) उसको चिढ़ाने के लिए

(घ) अपना प्रभाव दिखाने के लिए

(v) गद्यांश में आए 'उपकार' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है

(क) विकार

(ख) प्रकार

(ग) अपकार

(घ) प्रतिकार

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

मानवीय गुणों को धारण करके ही मानव, मनुष्य कहलाने का अधिकारी होता है । मनुष्य-मात्र को बंधु मानकर उसके सुख-दुख का समभागी बनने वाला ही मनुष्य कहला सकता है । मानव-शरीर के भीतर यदि दानवी अथवा पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं तो मनुष्य होकर भी वह दानव या पशु-तुल्य समझा जाएगा । अपने ही जीवन को सुखी समृद्ध बनाने की चेष्टा में लगा हुआ व्यक्ति सद्गुण-संपन्न होने पर भी लोकप्रियता अर्जित नहीं कर सकता । उसे पूर्ण मानव भी नहीं कहा जा सकता । सच्चा मनुष्य तो वह सद्गुणी व्यक्ति है जो स्वजनों के साथ-साथ समस्त मनुष्य जाति के कल्याणार्थ प्रयत्न करता है । अपनी अपेक्षा वह औरों की चिंता अधिक करता है । दूसरों की भलाई के लिए वह सहर्ष आत्मबलिदान कर देता है । ऐसा व्यक्ति उस नदी की तरह है जिसके जल का पान कर असंख्य प्राणियों के जीवन की रक्षा होती है । सच्चा मानव दूसरों की विपत्ति में उनकी यथाशक्ति सहायता करता है, भले ही इस कार्य में उसे स्वयं कष्ट झेलने पड़ें तथा क्षति उठानी पड़े ।

(i) किस मनुष्य को मनुष्य नहीं माना जा सकता ?

(क) जो दूसरों को दुख देता रहता है ।

(ख) जो दुराचारी होता है ।

(ग) जो तन-मन से कमज़ोर होता है ।

(घ) जो मानवीय गुणों से रहित होता है ।

(ii) पशु-तुल्य किसे समझा जाता है ?

(क) जो जंगलों में पशुओं के साथ रहता है ।

(ख) जिसमें पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं ।

(ग) जो पशुओं-जैसा भोजन करता है ।

(घ) जो दूसरों की हिंसा करता है ।

(iii) अपनी अपेक्षा दूसरों की चिंता करने वाला

(क) लोकप्रिय हो जाता है ।

(ख) सदा परेशान रहता है ।

(ग) अपने परिवार में अप्रिय हो जाता है ।

(घ) अपने काम समय पर नहीं कर पाता ।

(iv) मीठे फलों का वृक्ष

(क) अपना फल स्वयं खाता है ।

(ख) अपना फल दूसरों को देता है ।

(ग) अपना फल किसी को नहीं देता है ।

(घ) अपने फलों से अपना पालन करता है ।

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(क) सच्चा मानव

(ख) मानवीय गुण वाला

(ग) लोकप्रियता

(घ) औरों की चिंता

3. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

जो रुकावट डालकर होवे कोई पर्वत खड़ा,
तो उसे देते हैं अपनी युक्तियों से वे उड़ा ।
बीच में पड़कर जलधि जो काम देवे गड़बड़ा
तो बना देंगे उसे वे क्षुद्र पानी का घड़ा ।
वन खँगालेंगे, करेंगे व्योम में बाज़ीगरी
कुछ अजब धुन काम के करने की है उनमें भरी ।
सब तरह से आज जितने देश हैं फूले-फले
बुद्धि, विद्या, धन, विभव के हैं जहाँ डेरे डले ।
वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले
लोग जब ऐसे समय पाकर जनम लेंगे कभी
देश की औ' जाति की होगी भलाई भी तभी ।

(i) कवि ने इस कविता में कैसे व्यक्तियों की ओर संकेत किया है ?
- (क) जो पर्वत की तरह रुकावट बनते हैं ।
- (ख) जो पानी के घड़े की भाँति क्षुद्र हैं ।
- (ग) जो बाज़ीगरी के करतब दिखा सकते हैं ।
- (घ) जो हमेशा अपने लक्ष्य और काम की धुन में रहते हैं ।

(ii) पर्वत जैसी रुकावटों को भी वे कैसे दूर करते हैं ?
- (क) अस्त्र-शस्त्रों से
- (ख) लोगों की सहायता लेकर
- (ग) अपनी बुद्धि से
- (घ) सुलभ उपायों से

(iii) काम करने की धुन वाले लोगों से देशों पर क्या असर हुआ है ?
- (क) देश सैनिक-शक्ति से समृद्ध हुए
- (ख) वैज्ञानिक क्षेत्र में समृद्ध हुए
- (ग) आत्मबल से समृद्ध हुए
- (घ) धन, ज्ञान, विवेक से समृद्ध हुए

(iv) इस काव्यांश का शीर्षक हो सकता है

(क) साहसी सपूत

(ख) विद्वान् देशवासी

(ग) वैभवशाली देश

(घ) भले लोग

(v) कवि के अनुसार देश और जाति की भलाई तब होगी जब जन्म लेंगे

(क) उत्साही और कर्मठ

(ख) वीर और देशप्रेमी

(ग) विद्वान् और विवेकी

(घ) परोपकारी और सहनशील

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

हँसता हुआ रहेगा आँगन, दीवारें ढह जाएँगी
यह न रहेगा, वह न रहेगा, यादें ही रह जाएँगी ।
कोई खल राजा था,
उपवन में आ तीर चलाता था
पंखों को सिद्धार्थ,
आँसुओं से अपने सहलाता था
बार-बार यह कथा हवाएँ चिड़ियों से कह जाएँगी !
गिर जाएँगे महल दुमहले
जो तनकर हैं खड़े हुए
पूछेगा कल 'कहाँ गए वे
जो यों ही थे बड़े हुए'
नत नयनों के छंद गुनगुनाती नदियाँ बह जाएँगी ।
घन-गर्जन, बिजली का तर्जन
सन्नाटा पी जाएगा
झंझा भी जाएगी
पागल दावानल भी जाएगा
दर्द-भरी छोटी घड़ियाँ, कितनी सदियाँ सह जाएँगी ।

(i) परिवर्तन के बाद क्या शेष रह जाएगा ?

(क) महल

(ख) आँगन

(ग) दीवारें

(घ) यादें

(ii) हवाएँ चिड़ियों को किसकी कथा सुनाएँगी ?

(क) उपवन की

(ख) शिकारी की

(ग) आँसुओं की

(घ) सिद्धार्थ की

(iii) 'जो तनकर हैं खड़े हुए' का भाव है

(क) अहंकार में चूर

(ख) लम्बे और ऊँचे

(ग) मज़बूती में दृढ़

(घ) शक्तिशाली

(iv) 'सन्नाटा पी जाएगा' का आशय है

(क) शोर होने लगेगा

(ख) शांत हो जाएगा

(ग) कुहराम मच जाएगा

(घ) बिजली कड़कने लगेगी

(v) सदियों तक कौन-सी घड़ियाँ रहेंगी ?

(क) दुख की

(ख) सुख की

(ग) क्रांति की

(घ) करुणा की

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) '<u>'सिंह जैसे वीर</u>' तुम इन तुच्छ लोगों से भयभीत हो ?' वाक्य में रेखांकित पदबंध है

(क) सर्वनाम

(ख) विशेषण

(ग) संज्ञा

(घ) क्रिया

(ii) 'विद्यालय की तरफ मंदिर है' — वाक्य में अव्यय पदबंध है

(क) विद्यालय की

(ख) मंदिर है

(ग) की तरफ़

(घ) विद्यालय की तरफ़

(iii) 'मैं यहाँ दसवीं <u>कक्षा</u> में पढ़ता था' — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है

(क) संज्ञा, समूहवाचक, पुल्लिग, एकवचन

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, बहुवचन

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iv) <u>हम</u> देश के लिए त्याग कर सकते हैं — में रेखांकित का पद-परिचय है

(क) सर्वनाम, रीतिवाचक, प्रथम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिग

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिग

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, प्रथम पुरुष, एकवचन, पुल्लिग

(घ) सर्वनाम, निश्चयवाचक, बहुवचन, पुल्लिग

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) 'वह मेरा घनिष्ठ मित्र है इसलिए संकट में साथ देता है' — रचना की दृष्टि से वाक्य है

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) साधारण

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) मेरा घर पास में ही है ।

(ख) मैं जानता हूँ कि वे मुझसे स्नेह रखते हैं ।

(ग) मैं जहाँ रहता हूँ, तुम वहाँ आ जाना ।

(घ) वे यहाँ आए और मैं चला आया ।

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) मैं ऐसा मकान चाहता हूँ जिसमें तीन कमरे हों ।

(ख) तुम दोनों हमेशा साथ-साथ जाते हो ।

(ग) रमा पहली बार कार्यालय समय से पहुँची है ।

(घ) चुपचाप बैठो और अपना काम करो ।

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) तुम यहाँ से चले जाओ ।

(ख) तुम यहाँ से चले जाओ और पढ़ो ।

(ग) तुम यहाँ से तब जाओ जब पढ़ने की इच्छा हो ।

(घ) तुम यहाँ से जाकर पढ़ो ।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) 'महोत्सव' का संधि-विच्छेद है

(क) मह + उत्सव

(ख) महो + उत्सव

(ग) महा + उत्सव

(घ) महा + ओत्सव

(ii) 'प्रति + उत्तर' की संधि है

(क) प्रत्युतर

(ख) प्रत्युत्तर

(ग) पर्त्युत्तर

(घ) प्रत्युत्र

(iii) 'विद्यारत्न' समस्त पद का विग्रह है

(क) विद्या का रत्न

(ख) विद्या में रत्न

(ग) विद्या ही है रत्न

(घ) विद्या रत्नों का समाहार

(iv) 'रोग से ग्रस्त' का समस्त पद है

(क) रोगग्रस्त

(ख) रोगस्त

(ग) रोग्रस्त

(घ) रोगग्रास्त

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) दूसरों पर ____________ के बदले अपना काम जल्दी पूरा करो । वाक्य में उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) उँगली उठाना

(ख) सिर चढ़ाना

(ग) बाल की खाल निकालना

(घ) गले लगना

(ii) 'पत्थर की लकीर' का अर्थ है

(क) बेकार घूमना

(ख) रहस्य की बात जानना

(ग) निरादर करना

(घ) दृढ़ विचार

(iii) 'वह मेरा धन नहीं दे रहा है, लगता है __________ ।'
उपयुक्त लोकोक्ति से वाक्य-पूर्ति कीजिए ।

(क) अधजल गगरी छलकत जाय

(ख) टेढ़ी अँगुली से घी निकलता है

(ग) दोनों हाथ लड्डू

(घ) नाच न आवे आँगन टेढ़ा

(iv) 'साँप मरे और लाठी न टूटे' का भाव है

(क) जिसे ग़रज़ है उसकी चिंता क्या

(ख) नुकसान होने पर भी घमंड नहीं नष्ट होता

(ग) काम बन जाए; नुकसान भी न हो

(घ) बुरे का साथ बुरा फल देता है

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) फल बच्चे को काटकर खिलाओ ।

(ख) तुम तुम्हारी बहन से कहो ।

(ग) फल काटकर बच्चे को खिलाओ ।

(घ) मैं यहाँ सकुशलतापूर्वक हूँ ।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) प्रधानाचार्य ने घोषणा की ।

(ख) उत्तम चरित्र-निर्माण हमारा लक्ष्य होना चाहिए ।

(ग) प्रधानाचार्य अध्यापक को बुलाए ।

(घ) क्या आपने विश्राम कर लिया है ?

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) क्या आप यह पुस्तक पढ़ लिए हैं ?

(ख) क्या आपने यह पुस्तक पढ़ ली है ?

(ग) तुम मेरे मित्र हो मैं आपको भली-भाँति जानता हूँ ।

(घ) मेरे को किसी की परवाह नहीं ।

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ काव्य की पुस्तक से ली हैं ।

(ख) आपको क्या होना ?

(ग) कृपया, आप यहाँ बैठिए ।

(घ) मेरी माताजी मेरे को बहुत प्यार करती हैं ।

खण्ड ग

10. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

'मनुष्य-मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है ।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं ।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

(i) सबसे बड़ा विवेक क्या है ?
- (क) शास्त्रों का ज्ञान होना
- (ख) संसार के रहस्य का ज्ञान होना
- (ग) मनुष्य-मात्र को भाई समझना
- (घ) ईश्वर का अस्तित्व मानना

(ii) स्वयंभू पिता का तात्पर्य है ?
- (क) परमपिता परमेश्वर
- (ख) पालन-पोषण करने वाला
- (ग) परिवार का मुखिया
- (घ) स्वयं को पिता मानने वाला

(iii) मनुष्य-मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है ?
- (क) रूप-रंग में अंतर के कारण
- (ख) विचारों के अलग होने के कारण
- (ग) विभिन्न जाति में जन्म लेने के कारण
- (घ) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण

(iv) सबसे बड़ा अनर्थ है
- (क) भाई ही भाई को सम्मान न दे
- (ख) भाई ही भाई का कष्ट दूर करे
- (ग) भाई ही भाई का दुख दूर न करे
- (घ) भाई ही भाई को अपना सहायक माने

(v) 'बंधु' शब्द का पर्यायवाची है

(क) सहायक

(ख) भ्राता

(ग) भाईचारा

(घ) मित्र

अथवा

राह क़ुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए क़ाफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न, साथियो ।
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो ।

(i) क़ुर्बानियों की राह कौन-सी है ?

(क) देश की भलाई की राह

(ख) बलिदानी देशभक्तों की राह

(ग) देश की प्रगति की राह

(घ) राष्ट्रनायकों की राह

(ii) 'नए क़ाफ़िले' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) तीर्थयात्रियों की टोली

(ख) युद्ध के लिए तैयार सैनिकों की टोली

(ग) नए बलिदानी देशभक्तों की टोली

(घ) युद्ध का प्रशिक्षण पाए नए सैनिकों की टोली

(iii) कविता की किस पंक्ति में जीवन और मृत्यु का मिलन कहा गया है ?

(क) बाँध लो अपने सर से कफ़न, साथियो

(ख) तुम सजाते ही रहना नए क़ाफ़िले

(ग) फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है

(घ) ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले

(iv) 'सर पर कफ़न बाँधने' का अर्थ है

(क) बलिदान के लिए उद्यत रहना

(ख) युद्ध के लिए प्रस्तुत रहना

(ग) सीमा पर चौकस रहना

(घ) देश से प्रेम करना

(v) जीत का जश्न किस जश्न के बाद होगा ?

(क) युद्ध के

(ख) बलिदान के

(ग) आज़ादी के

(घ) किसी त्योहार के

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$

(क) ओचुमेलाव कौन था ? कुत्ते के बारे में ओचुमेलाव के विचारों में परिवर्तन क्यों आ गया ? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'झेन की देन' के आधार पर लिखिए कि लेखक ने जापानियों के दिमाग़ में स्पीड का इंजन लगे होने की बात क्यों कही है ।

(ग) सवार कौन था ? उसने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(घ) अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि समुद्र को क्रोध आने का क्या कारण था । उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया ?

12. "जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है ।" 'अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर सोदाहरण आशय स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बढ़ती हुई आबादी ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है । बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया । अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक़्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं । नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है ।

(क) बढ़ती हुई आबादी का प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ा है ? *2*

(ख) बारूदी विनाशलीला ने वातावरण को कैसे प्रभावित किया है ? *2*

(ग) नए रोगों का जन्म क्यों होने लगा है ? *1*

अथवा

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं । चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं । तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं ।

पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता बल्कि व्यावहारिकता का होता है । और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं ।

(क) शुद्ध आदर्श की तुलना शुद्ध सोने से क्यों की गई है ? *2*

(ख) लेखक ने व्यावहारिकता की तुलना किस सोने से की है ? उसकी क्या विशेषता है ? *2*

(ग) ताँबा कब प्रमुख हो जाता है ? *1*

14. (क) 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री दीपक को स्वयं को समर्पित करने के लिए क्यों कहती है ? *2*

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में कवि क्या प्रार्थना करता है ? उसे अपने शब्दों में लिखिए । *2*

(ग) 'मनुष्यता' कविता में व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करने की सलाह दी गई है ? *1*

15. ख़ुशी से जाने की जगह न होने पर भी, लेखक को कब और क्यों स्कूल जाना अच्छा लगने लगा ? *3*

अथवा

इफ़्फ़न को 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्त्वपूर्ण पात्र कैसे माना जा सकता है ?

16. 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति बच्चों की क्या धारणा बन जाती है । *2*

खण्ड घ

17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) भ्रष्टाचार और जनता

- भ्रष्टाचार — अर्थ और कारण
- जनता पर प्रभाव
- भ्रष्टाचार से मुक्ति के उपाय

(ख) भारत में बाढ़ की समस्या

- बाढ़ के कारण
- बाढ़ का जनजीवन पर प्रभाव
- बाढ़ से बचने के उपाय

(ग) विद्यालय में विज्ञान-प्रदर्शनी

- विज्ञान-प्रदर्शनी क्या
- प्रदर्शनी की उपयोगिता
- नए वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ

18. हिन्दी-दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित समारोह में आपने जो वक्तव्य दिया, उसके बारे में मित्र को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

स्वतंत्रता-दिवस के अवसर पर आपकी कॉलोनी में बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम की प्रेस-विज्ञप्ति किसी समाचार-पत्र के संपादक को भेजते हुए प्रकाशन के लिए निवेदन कीजिए ।